



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 13, 2002/श्रावण 22, 1924

No. 204]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 13, 2002/SRAVANA 22, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2002

विषय : इटली के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रीलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम) के आयात के संबंध में पाटन-रोधी जाँच—अंतिम जाँच परिणाम।

सं. 43/1/2001-डी.जी.ए.डी.—भारत सरकार 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

2. जाँच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :—

- (i) नामित प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से एक्रीलिक फाइबर मैन्युफैक्चरर्स, नई दिल्ली से एक याचिका प्राप्त हुई जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि इटली (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रीलिक फाइबर (1.5 से कम डेनियर का) को भारत में पाटा जा रहा है। यह याचिका मैसर्स इंडियन एक्रीलिक लिमि., चण्डीगढ़, मैसर्स कन्सोलिडेटेड फाइबर एंड कैमिकल्स लि., कोलकाता और मैसर्स पशुपति एक्रिलोन लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा समर्थित है।

- (ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन के आवेदन की प्राप्ति के विषय में भारत में इटली के दूतावास को सूचित किया ।
- (iii) प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध उपरोक्त सूचना और साक्ष्य के आधार पर निर्णय लिया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात के प्रति पाटनरोधी जाँच शुरू की जाए ।
- (iv) प्राधिकारी ने 28 अगस्त, 2001 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची-I के अध्याय शीर्ष/उपशीर्ष 5501.3000 और 5503.3000 के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी कार्रवाई आरम्भ की गई ।
- (v) प्राधिकारी ने इटली से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जाँच के बारे में 6 दिसम्बर, 2001 की अधिसूचना द्वारा प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया और हितबद्ध पार्टियों से अपने विचार लिखित रूप में प्रारम्भिक निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर देने का अनुरोध किया ।
- (vi) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षों को प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी और उन्हें प्रारम्भिक निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर जाँच निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों तो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया ।
- (vii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली में इटली के दूतावास को प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति भी भेजी जिसमें अनुरोध किया गया कि के साथ निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों को सलाह दी जाए की वे उपर्युक्त (v) और (vi) में निर्धारित की गई समय सीमा में प्रारम्भिक जाँच निष्कर्षों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करें ।
- (viii) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को दिनांक 27.03.2002 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किये गये विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों की प्रतियाँ लेने और उनका प्रत्युत्तर यदि कोई हो प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।
- (ix) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गये सभी साक्ष्यों और विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल अनुरोध पर उपलब्ध कराई ।
- (x) प्रारम्भिक जाँच की घोषणा करने से पहले हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए तर्कों, जिन्हें अधिसूचित प्रारम्भिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता की खातिर यहाँ दोहराया नहीं गया है । तथापि, हितबद्ध पक्षों द्वारा बाद में उठाए गए तर्कों पर इन निष्कर्षों में उचित रूप से विचार किया गया है ।

- (xi) उपर्युक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार को 10.5.2002 को हितबद्ध पक्षों को बताया गया और इन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया ।
- (xii) जाँच की अवधि में 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 की अवधि शामिल थी ।
- (xiii) इस अधिसूचना में चिन्ह*** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अन्तर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयतकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार और प्राधिकारी द्वारा जाँच ।

3. विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत विचारों की प्रारंभिक निष्कर्षों में और प्रकटीकरण विवरण में भी जाँच की गई है । उन विचारों पर जिनके बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों और प्रकटीकरण विवरण में पहले विचार विमर्श नहीं किया गया था और जिन्हें अब प्रकटीकरण विवरण के प्रति उत्तर में उठाया गया है । यहाँ नीचे दिये गये संगत पैराग्राफों में कुछ सीमा तक विचार किया गया है, जिस सीमा तक ये नियमों के अनुसार संगत हैं और जहाँ तक ये मामले को प्रभावित करते हैं । हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए तर्कों की जाँच की गई है, उन पर विचार किया गया है और जहाँ कहीं भी उचित समझा गया उन पर यहां नीचे दिये गये संगत पैराग्राफों में विचार किया गया है । प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि निर्धारित प्रकार और तरीके में निर्यातकों से किसी भी प्रकार का प्रति उत्तर प्राप्त न होने के कारण उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार उनके पास उपलब्ध सूचना के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए ।

ग. विचारधीन उत्पाद और समान प्रकार की वस्तु

4. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 1.5 डेनियर से कम (1.65 डी एक्स) का एक्रिलिक फाइबर है । एक्रिलिक फाइबर, सिंथेटिक पॉलीमर की एक लम्बी श्रृंखला होती है जिसमें एक्रिलोनाइट्राइल यूनिटों का कम से कम 90% भार होता है । एक्रिलिक फाइबर ; एक्रिलिक स्टेपल फाइबर, एक्रिलिक टो अथवा एक्रिलिक टॉप हो सकता है । वाणिज्यिक हलकों में एक्रिलिक स्टेपल फाइबर, एक्रिलिक टो और एक्रिलिक टॉप को एक्रिलिक फाइबर के रूप में जाना जाता है । एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है, जिसे इसके डेनियर (डी एक्स) के रूप में परिभाषित किया जाता है । वर्तमान याचिका की विषय वस्तु 1.5 डेनियर से कम (1.65 डी एक्स) का एक्रिलिक फाइबर है क्योंकि 1.5 से 8.0 डेनियर तक का उत्पाद पहले ही पाटनरोधी शुल्क आकृष्ट कर रहा है ।

एक प्रकार के फाइबर को दूसरे से भिन्न करने के लिए डेनियर एक अंतर्राष्ट्रीय पद्धति है । इसका उपयोग एक्रिलिक फाइबर, सिल्क और मानवनिर्मित फिलामेंट यार्न का वर्णन करने में किया जाता है । एक्रिलिक फाइबर मंहगी ऊन का एक किफायती स्थानापन्न है ।

एक्रीलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 55 के उपशीर्ष सं० 5501.3000 और 5530.3000 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण संकेतात्मक है और यह वर्तमान जाँच के कार्य क्षेत्र पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

5. समान प्रकार की वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु इटली मूल से अथवा वहाँ से निर्यात की जाने वाली वस्तु के लिए समान प्रकार की वस्तु है। अतः मौजूदा जाँच के उद्देश्य के लिए याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु की उपर्युक्त नियमों के अभिप्राय के भीतर ही सम्बद्ध देश से आयात किए जाने वाले निहित उत्पाद अर्थात् एक्रीलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम) को "समान प्रकार की वस्तु" के रूप में लिया जा रहा है।

घ. घरेलू उद्योग

6. पाटनरोधी नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का तात्पर्य समग्र रूप में वे घरेलू उत्पादक हैं जो समान वस्तु के विनिर्माण अथवा इससे संबंधित किसी कार्यकलाप में लगे हुए हों अथवा वे लोग जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन का अंश उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख हो, सिवाए उस दशा के जब इस प्रकार के उत्पादक, पार्टी गई कथित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हो अथवा स्वयं ही उस वस्तु के आयातक हों, ऐसी दशा में इस प्रकार के उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

घरेलू उद्योग की ऊपर दी गई परिभाषा को विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी समझौते के अनुच्छेद 5.4 द्वारा और स्पष्ट किया जाता है, जो निम्न प्रकार से है:-

"..... आवेदन, घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर किया गया माना जाएगा यदि यह उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित होता है जिनका सामूहिक उत्पादन उन घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा जोकि आवेदन के प्रति या तो समर्थन व्यक्त करते हैं अथवा इसका विरोध करते हैं; उत्पादित समान प्रकार की वस्तु के कुल उत्पादन का 50% होता है। तथापि, उस दशा में कोई जाँच नहीं की जाएगी जब घरेलू उत्पादक, स्पष्टतौर पर उस आवेदन का समर्थन कर रहे हों जो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान प्रकार की वस्तु के कुल उत्पादन के 25% से कम के लिए हो"।

यह याचिका एक्रीलिक फाइबर विनिर्माताओं, नई दिल्ली द्वारा तय की गई है और जो निम्नलिखित उत्पादकों अर्थात् मैसर्स इंडियन एक्रीलिक लिमिटेड, चण्डीगढ़, मैसर्स कंसेलिडेटेड फाइबर और कैमिकल लिमिटेड, कोलकाता और मैसर्स पशुपति एक्रीलोन लि०, नई दिल्ली द्वारा उचित रूप से समर्थित है। प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ताओं के उत्पादन आंकड़ों की जाँच से निर्धारित हुआ है कि याचिकाकर्ताओं की भागीदारी कुल भारतीय उत्पादन के 50% अंश से अधिक है अतः उनका उपर्युक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का हक बनता है।

ड. पाटन

7. **सामान्य मूल्य:** जैसा कि प्रारम्भिक निष्कर्षों में दर्शाया गया है नामित प्राधिकारी ने इटली में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातक को प्रश्नावलियाँ भेजी थीं। प्राधिकारी ने भारत में इटली के दूतावास को भी इस आशय का पत्र लिखा कि वे इटली के निर्यातक को सलाह दें कि वह प्राधिकारी को प्रत्युत्तर भेजें। इटली से निर्यातक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं भेजा तथा प्रारम्भिक निष्कर्षों और प्रकटीकरण विवरण के उपरान्त कोई अन्य दूसरी सूचना प्रस्तुत नहीं की। प्राधिकारी, सामान्य मूल्य के सम्बन्ध में अपने प्रारम्भिक निष्कर्षों का स्मरण करते हैं। निर्यातक मैसर्स मोन्टे फाइबर, इटली में केवल एक विवरण प्रस्तुत किया जिसमें जाँच अवधि में संबद्ध वस्तु का सौदेवार निर्यात दर्शाए गए थे। निर्यातक प्रश्नावली के अनुबन्ध-1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 10 के सम्बन्ध में कोई सूचना नहीं दी गई। निर्यातक ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री के बारे में सूचना न होने के कारण तथा क्या इस प्रकार की घरेलू बिक्री, व्यापार की एक सामान्य प्रकार की बिक्री होती है, प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध सूचना पर भरोसा करना होता है। प्रारम्भिक निष्कर्षों और प्रकटीकरण विवरण के बाद "कमेटे इंटरनेशनल डी ला रेयोनि एट उस फाइबर्स सिन्थेटिक्यूज" (सी0आई0एफ0आर0एस0) नाम की अंतराष्ट्रीय रेयन और सिन्थेटिक फाइबर कमिटी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इस प्रकार, इटली के निर्यातक ने इस मामले में नामित प्राधिकारी के साथ असहयोग का रूख अपनाया है। इस प्रकार नियम 6(8) लागू करना अपेक्षित हो गया है और नामित प्राधिकारी के लिए यह पूरी तरह औचित्य पूर्ण है। कि वह उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही करें। अतः प्राधिकारी का मत है कि इटली के निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है, जैसाकि नियमों के तहत व्यवस्था है। घरेलू उद्योग ने इटली में सामान्य मूल्य के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है जो उस विक्रय मूल्य पर आधारित है जिस पर संबद्ध वस्तु निर्यातक के देश के घरेलू बाजार में बेची गई है। इटली के निर्यातक द्वारा अपनाए गए असहयोग/प्रस्तुत की गई अपर्याप्त सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने निर्यातक के घरेलू बाजार के बिक्री मूल्यों के सम्बद्ध में उपलब्ध सूचना के आधार पर इटली में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
8. **निर्यात मूल्य:** निर्यातक मैसर्स मोन्टे फाइबर, इटली ने भारत को अपने निर्यातों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। इस सूचना का विश्लेषण दर्शाता है कि यह सूचना पर्याप्त कम से कम निर्यात मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य के लिए। यद्यपि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने अन्तर्देशीय माल भाड़ा और पतन व्यय के संबंध में किसी भी समायोजनों को नहीं दर्शाया है निर्यातक ने ***** के और सी0आई0एफ0 मूल्यों पर जाँच अवधि में ***** एम0टी0 एक्रलिक फाइबर की बिक्री की है। निर्यातक ने समुन्द्री माल भाड़ा, बीमा और कमीशन पर हुये समायोजनों को दर्शाया है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रदान की गई सूचना के आधार पर एक्स फैक्टरी निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है। निर्यात मूल्य ने 1% की दर से अन्तर्देशीय माल भाड़े पर होने वाले समायोजनों की अनुमति भी दी गई है।

9. **पाटन मार्जिन:** कस्टम टेरिफ अधिनियम और पाटनरोधी नियमों में निर्धारित किये गये सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन को निर्धारित करने वाले सिद्धान्तों का ब्यौरा नियमों के अनुबंध-I में दिया गया है। सामान्य मूल्य, प्रति किलोग्राम ***** अमेरिकी डॉलर बैठती है। निवल निर्यात मूल्य जैसे कि उपर निकाला गया है, प्रति कि०ग्रा० ***** अमेरिकी डॉलर बैठती है। प्राधिकारी, उत्तर देने वाले निर्यातक के लिए आंकी गई सामान्य मूल्य तथा निर्यातक द्वारा स्वीकृत निम्नतम निर्यात मूल्य के आधार पर अन्य असहयोग करने वाले निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण के बारे में प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं, मैसर्स मोटे फाइबर के संबंध में इटली से संबंध वस्तु के निर्यात के लिए पाटन मार्जिन 25.07% और इटली से अन्य सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए 34.45% बैठता है।

च. क्षति और कारणात्मक संबंध

10. प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण करते समय क्षति के बारे में सभी सूचकांकों को ध्यान में रखा। इसमें सभी मापदण्ड शामिल थे अर्थात् पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनके प्रभाव और नियमों के अनुबंध-II पैरा 4 में उल्लिखित मापदण्ड के संदर्भ में घरेलू उत्पादकों पर परिणात्मक प्रभाव जैसेकि बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार अंश, उत्पादकता निवेश पर प्रतिफल अथवा क्षमता उपयोग; घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारक पाटन मार्जिन की मात्रा; ऋण प्रभाव सामान सूची पर वास्तविक और संभावित प्रभाव, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजीगत निवेश आदि बढ़ाने की क्षमता। घरेलू उद्योग के लिए समान प्रकार की वस्तु के लिए क्षति रहित मूल्य का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने मानक सर्वोत्कृष्ट खपत मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए। घरेलू उद्योग के लिए इष्टतम उत्पादन लागत और जांचवधि के दौरान उस कच्ची सामग्री जो विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में उद्योग में लाई गई, के वास्तविक मूल्य पर विचार किया। क्षति के मार्जिन का निर्धारण करते समय भी प्राधिकारी ने उचित बिक्री अथवा क्षतिरहित मूल्य का निर्धारण करने के लिए इष्टतम क्षमता उपयोग को ध्यान में रखा। प्राधिकारी का यह भी मत है कि घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न मापदण्डों का विश्लेषण, तत्काल पूर्व के वर्षों के संदर्भ में जांच अवधि में कार्य निष्पादन की तुलना करके और समुचित होगा, विशेषकर कि जब जांच अवधि में ही आयात होने शुरू हो गये थे। प्राधिकारी ने क्षतिरहित मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग की विस्तृत जांच की है। क्षतिरहित मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबंध कारकों जैसे कि जांच अवधि के दौरान कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं के उपयोग का उचित विश्लेषण किया है। अपेक्षित सीमा तक घरेलू उद्योग के परिसरों की जांच की गई है। घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा दी गई विस्तृत सूचना की जांच की है, जो यह दर्शाता है कि इटली से विचाराधीन उत्पाद के पाटे गये आयातों से भौतिक क्षति हुई है। प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-II में उल्लिखित सभी मापदण्डों की जांच की है, तथापि, कुछ संगत मापदण्डों, पर जो क्षति को दर्शाते हैं, निम्नानुसार विचार किया जाता है:-

- (i) घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग, वर्ष 1999-2000 के 93.07% से घटकर उत्पादन में कमी के कारण जांच अवधि में 84.03% हो गया।

- (ii) कई देशों द्वारा भारत में एक्रिलिक फाइबर का पाटन किया जा रहा है जिसमें इटली भी शामिल है। प्राधिकारी इटली के बारे में जांच कर रहे हैं और वे युनाइटेड किंगडम, जर्मनी, ब्राजील और बुल्गारिया के बारे में अलग से जांच तथा संयुक्त राज्य अमेरिका, कोरिया रिपब्लिक और थाईलैण्ड के विरुद्ध सनसेट समीक्षा जांच भी कर रहे हैं, इन तीन जाँचों में जाँच की अवधि समान है। नियमों के अनुबन्ध-II में मामलों में कुल क्षति के बारे में स्पष्ट तौर पर सूचना दी है। घरेलू उद्योग को क्षति एक ही समय में एक से अधिक स्रोतों से हो रही है। अतः नियमों के अनुसार संकलित तौर पर क्षति की जाँच की जा रही है।
- (iii) 1999-2000 तक घरेलू उद्योग के बिक्री की मात्रा में वृद्धि होती रही है। तथापि बिक्री की मात्रा 1999-2000 के 70591 मीटरी टन से घटकर जाँच अवधि में 59119 हो गई। इसके अलावा, घरेलू उद्योग अपनी सामग्री को एक ऐसे मूल्य पर बेचते रहे हैं जिस पर यहां तक कि उत्पादन की लागत भी बसूल नहीं हो पाती है।
- (iv) विगत कुछ वर्षों से घरेलू उद्योग एक के बाद एक दूसरे देशों से जिसमें संबंध देश भी शामिल हैं, उत्पादों के पाटन के कारण लाभ अर्जित नहीं कर पा रहा है। जाँच अवधि में घरेलू उद्योग की क्षतियों में काफी वृद्धि हुई है और यह 1997-98 के - 100 (सूचकांकित) से घट कर जाँच अवधि में - 373 (सूचकांकित) हो गई हैं।
- (v) सभी देशों से दर्शाएँ गये आयात 1.5 डेनियर से कम के और 1.5 डेनियर से ऊपर के आयात हैं। घरेलू उद्योग में पहले इटली से पाटन होने के बारे में शिकायत की थी, जिसके परिणाम स्वरूप इस देश से होने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। इसके परिणाम स्वरूप इटली से आयात की मात्रा में कमी हुई। तथापि, 1.5 डेनियर से अधिक के एक्रिलिक फाइबर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से, 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर का पाटन शुरू हो गया जिसके परिणाम स्वरूप, पुनः मार्केट शेयर 0.55 प्रतिशत (99-2000) से बढ़कर 1.03 प्रतिशत (2000-2001) हो गया। शुल्क से बचने के लिए इटली से होने वाला आयात अब 1.5 प्रतिशत डेनियर नीचे का एक्रिलिक फाइबर है।
- (vi) पिछले वर्ष की तुलना में जाँच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में उत्पादन में कमी आने के कारण कमी आई है, बावजूद कर्मचारियों की संख्या के कटौती आने के भी।
- (vii) जाँच अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति के कारण इस अवधि में निवेदश पर प्रतिफल में कमी आई है। स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद भी घरेलू उद्योग के लिये निवेश पर प्रतिफल नकारात्मक बना रहा।
- (viii) इटली सहित विभिन्न स्रोतों से आयातित सामग्री के पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग में बिक्री मूल्यों से काफी नीचे है, जिसकी वजह से भारतीय बाजार में मूल्यों में काफी

कमी हो रही है। घरेलू उद्योग को आयातों के कारण बाजार में मूल्यों में कमी होने की वजह से अपने मूल्यों में करनी पड़ रही है।

- (ix) आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की लागत से कम है जिसकी वजह से भारतीय बाजार में मूल्यों में कमी और गिरावट आ रही है।
- (x) वर्ष 1998-99 में मुद्रा का प्रवाह नकारात्मक था, जो वर्ष 99-2000 में सकारात्मक हो गया। तथापि मुद्रा प्रवाह, जांच अवधि में पुनः नकारात्मक हो गया।
- (xi) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में कमी होने के बावजूद घरेलू उद्योग के स्टॉक्स में स्तर में गत वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- (xii) घरेलू उद्योग को बाध्यकारी किया जा रहा है कि वह सतत वित्तीय हॉनियों और नकारात्मक मुद्रा प्रवाह के कारण रोजगार में कमी करें।
- (xiii) प्रचालित नियमनों के कारण घरेलू उद्योग को मजबूरी में वृद्धि करनी पड़ती है जिसके कारण लाभ अर्जन पर प्रभाव पड़ता है।
- (xiv) निर्धारित लागत के प्रभाव में कमी करने की दृष्टि से अडचनों को दूर करके क्षमता में वृद्धि करने से जाँच अवधि के दौरा घरेलू उद्योग को मदद नहीं मिली है।

सकल रूप से उपर्युक्त सभी मापदण्ड दर्शाते हैं कि इटली से संबंध वस्तुओं के पाटन से घरेलू उद्योग को भौतिक क्षति हुई है।

12. कारणात्मक संबंध

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई थी। प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा है:-

- (i) 1.5 डेनियर से अधिक के एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को लगाने के बाद 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर के निर्यातों से पाटनरोधी शुल्कों को लगाने के बाद भी भारतीय बाजार में पाटन को जारी रखने का प्रयास प्रदर्शित होता है।
- (ii) पाटित कीमत पर इटली से संबंध वस्तु के आयात में हुई अत्यधिक वृद्धि के साथ-साथ अन्य देशों से हुए निर्यातों, उनकी प्राधिकारी द्वारा जाँच की जा रही है, ने घरेलू उद्योग को कीमत में उचित वृद्धि करने से रोका जिसके फलस्वरूप जांच अवधि में घाटे में काफी वृद्धि हुई।

- (iii) अन्य देशों से एकीलिक फाइबर के निर्यात भी कम कीमत पर हुए हैं। तथापि प्राधिकारी यह जांच करने के लिए कि क्या यह आयात भी पाटित कीमत पर किए गए हैं जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, इन आयातों की अलग-अलग जांच कर रहे हैं। संबद्ध देशों से और अन्य देशों से पाटित आयात के अलावा अन्य कोई मापदंड प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई हो।
 - (iv) इटली से आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के बिक्री मूल्यों से नीचे था। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को मूल्यों को क्रम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
 - (v) इटली के आयातों से घरेलू उद्योग को बाध्य होना पड़ा कि वे अपनी उत्पादन लागत से कम मूल्यों पर तथा हानि रहित मूल्यों पर उत्पादन को बेचें।
 - (vi) मूल्यों में कमी जो घरेलू उद्योग को पाटे गये आयातों के कारण सभी घरेलू उद्योग को काफी वित्तीय हानि का सामना करना पड़ा है।
 - (vii) उत्पाद के लिये मांग में कमी की प्रवृत्ति नहीं दिखी है। इसके अलावा किसी भी विरोध करने वाले हितबद्ध पक्ष द्वारा प्रौद्योगिकी के उन्नयन आदि के बारे में कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किये गये।
13. उस निम्न मूल्य पर जो उत्पादन की पूरी लागत को वसूल करने के लिये पर्याप्त नहीं है, इटली से संबद्ध वस्तु के आयात में होने वाले काफी वृद्धि जिसके कारण मूल्यों में काफी कमी हो रही है। यह बात स्पष्ट तौर से दर्शाती है कि एक अल्पावधि में इटली से संबंध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग द्वारा पहले से ही हुई हानि और उनके द्वारा उठाई जा रही और क्षतियों के खतरे के मध्य एक कारणात्मक संबंध है। अतः प्राधिकारी, प्रारम्भिक निष्कर्षों में अपने इस निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं कि इटली से संबंध वस्तु के पाटन के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध है और जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाई जा रही है।

(छ) भारतीय उद्योग का हित और अन्य विषय:-

14. कुछ आयातकों और उद्योगकर्ताओं द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाते समय एकीलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम का) के उपयोगकर्ताओं के हित को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया है कि इटली से एकीलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम के) पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की बात पर पुनर्विचार किया जाए क्योंकि आयात करने की धमकी से स्थानीय उत्पादकों के मूल्यों पर रोक लगती है।
15. इस संदर्भ में प्राधिकारी अपने प्रारम्भिक निष्कर्षों में पैराग्राफ 30 और 31 को पुनः उल्लेख करती है जिसमें इस बात का उल्लेख किया गया है कि सामान्य तौर पर पाटन रोधी शुल्कों का उद्देश्य उस पाटन को दूर करना होता है, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति

होती है और इसका उद्देश्य भारतीय बाजार में एक खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनर्स्थापित करना भी होता है जो कि देश के आम हित में होती है। प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों के लाभों से उस उत्पादन का मूल्य स्तर प्रभावित हो सकता है जो उत्पादन एक्रिलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम का) को उपयोग में लाकर बनाया गया हो और परिणाम स्वरूप यह बात इन उत्पादों की सापेक्षिक प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव डाल सकती है। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतियोगिता, पाटन रोधी उपायों से कम नहीं हो पाएगी इसके विपरीत पाटनरोधी उपयोग को लागू करने से पाटन तरीकों द्वारा अर्जित किये जाने वाले अनुचित लाभों को दूर करेगी, घरेलू उद्योग की अवन्नति को रोकेगी और संबंध वस्तु के उपयोग कर्ताओं के लिये व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाये रखने में मदद करेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय किसी भी तरीके से इटली से आयातों को नहीं रोक पायेंगे और अतः उपयोगकर्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगी। उपयोगकर्ता तब भी दो अथवा यहाँ तक कि आपूर्ति और अधिक स्रोतों को बनाये रख सकेंगे।

16. स्पष्टतया पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में एक दीर्घावधि में एक्रिलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम का) के उपभोक्ता/उपयोगकर्ता प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं होंगे, बल्कि इससे घरेलू उद्योग बने रहेंगे और भारत में उपभोक्ता के पास व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेगा। पाटनरोध शुल्क लगाने का मूल उद्देश्य भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा के लिये स्थितियाँ सृजित करना है जिसमें घरेलू उत्पादक और विदेशी उत्पादक दोनों प्रतिस्पर्धा कर सकें। पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयातों पर किसी भी तरह से रोक नहीं लगेगी।

17. अंतिम जॉच परिणाम

उपरोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- (i) इटली से भारत को निर्यात किया गया जो एक्रिलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम का) वह अपनी सामान्य कीमत से कम का है,
- (ii) भारतीय उद्योग को क्षति हुई है,
- (iii) इटली से पाटे गये आयातों द्वारा क्षति हुई है।

18. प्राधिकारी इस प्रस्ताव की सिफारिश करते हैं कि "पाटन के मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क अथवा इससे कम की धनराशि, जो यदि लगाई जाए, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करेगी।

क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य के लिए आयातों के पहुँच मूल्यों की जाँच अवधि के लिए निर्धारित किए गए याचिकाकर्ता कम्पनियों के क्षति रहित बिक्री मूल्यों के साथ तुलना की गई है। इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथा आंकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ

अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 एवं 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

19. प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क शीर्ष 55 के अंतर्गत आने वाले इटली से एक्रिलिक फाइबर (1.5 डेनियर से कम) के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कालम 3 के अनुसार होगा:-

क्र.सं.	निर्यातक/उत्पादक	पाटनरोधी शुल्क अमेरिकी डालर प्रति किग्रा.
(1)	(2)	(3)
1.	मोन्टेफाइबर, इटली	0.32 अमेरिकी डालर प्रति किग्रा.
2.	इटली के अन्य सभी निर्यातक/उत्पादक	0.41 अमेरिकी डालर प्रति किग्रा.

20. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 6 दिसंबर, 2001 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

21. उक्त अधिनियम के अनुसार इस आदेश के खिलाफ सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के पास अपील की जा सकेगी ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th August, 2002

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Acrylic Fibre (below 1.5 denier) originating in or exported from Italy—Final Findings.

No. 43/1/2001-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE :

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations :—

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from the Forum of Acrylic Fibre Manufacturers, New Delhi on behalf of the domestic industry duly supported by the following producers namely M/s. Indian Acrylic Ltd , Chandigarh, M/s Consolidated Fibre and Chemicals Ltd., Calcutta, M/s. Pasupati Acrylon Ltd , New Delhi alleging dumping of Acrylic Fibre (below 1.5 Denier) (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Italy (hereinafter referred to as subject country) :

- (ii) The Authority notified the Embassy of Italy in India about the receipt of petition made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub rule (5) of Rule 5 supra;
- (iii) The Authority on the basis of information and evidence available before it decided to initiate anti dumping investigations against imports of subject goods from the subject country;
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated **the 28th August, 2001** published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning imports of subject goods from subject country, falling under Chapter Heading 5501.3000 & 5503.3000 of Schedule I of the Customs Tariff Act.
- (v) The Authority notified preliminary findings vide notification dated **6th December, 2001** on anti-dumping investigation concerning imports of subject goods from Italy and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- (vi) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days from the date of its publication;
- (vii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Italy in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (v) and (vi) above.

- (viii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally on **27.03.2002**. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (ix) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- (x) Arguments made by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently have been appropriately dealt in these findings;
- (xi) In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 10.5.2002 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (xii) The investigation covered the period from 1st April, 2000 to 31st March, 2001.
- (xiii) ***** in this notification represents information furnished by the interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

3. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the preliminary findings and disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paragraphs herein below. The Authority confirms, in the absence of any response from the exporters in the form and manner prescribed and having made the findings on the basis of the best information available to it as per rule 6(8) supra.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. Product under consideration in the present investigations is Acrylic Fibre below 1.5 denier (1.65 DX). Acrylic Fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 90% by weight of Acrylonitrile units. Acrylic fibre can be acrylic staple fibre, acrylic tow or acrylic top. Acrylic staple fibre,

acrylic tow and acrylic top are known as acrylic fibre in the commercial parlance. Acrylic Fibre is produced in various grades, which are defined in terms of its Denier, however, below 1.5 denier (1.65 DX) is the product under consideration in the present petition as 1.5 to 8.0 denier are already attracting Anti Dumping Duty.

Denier is the international system to differentiate on Fibre type to another and is used in describing acrylic Fibre, silk and man-made filament yarn. Acrylic Fibre is an economical substitute for expensive wool. Acrylic Fibre is classified under Chapter 55 of the Custom Tariff Act under sub-heads 5501.3000, 5503.3000. Custom classifications are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

5. **Like Article:** The petitioners have claimed that the goods produced by them is like articles to the goods produced, originating in or exported from Italy. Therefore, for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like article' of the product involved i.e. Acrylic Fibre (below 1.5 denier) imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

D. DOMESTIC INDUSTRY:

6. As per Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules, "domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the

said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry.”

The definition of domestic industry given above is further clarified by Article 5.4 of WTO Anti Dumping Agreement which reads as follows:

“.....The application shall be considered to have been made ‘by or on behalf of the domestic industry’ if it is supported by those domestic producers whose collective output constitutes more than fifty percent of the total production of the like product produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. However, no investigation shall be initiated when domestic producers expressly supporting the application account for less than 25% of the total production of the like product produced by the domestic industry. “

The petition has been filed by Forum of Acrylic Fibre Manufacturers, New Delhi duly supported by the following producers namely M/s. Indian Acrylic Ltd., Chandigarh, M/s. Consolidated Fibre and Chemicals Ltd., Calcutta and M/s. Pasupati Acrylon Ltd., New Delhi. on behalf of the domestic industry. The examination of the production figures of the petitioners by the Authority has determined that the

petitioners account for more than 50% proportion of total Indian Production and therefore have a standing to file the petition on behalf of domestic industry under the Rules above said.

E. DUMPING

7. **Normal Value :** As brought out in the preliminary findings, the Designated Authority sent questionnaires to known exporter of the subject goods in Italy. The Authority wrote to the Embassy of Italy in India also with a request to advise the exporter from Italy to respond to the Authority. The exporter from Italy did not respond to the Authority and has not furnished any further information after preliminary findings and the disclosure statement. The Authority recalls its preliminary findings as regards normal value. The exporter, M/s. Monte Fibre, Italy had merely filed a statement showing transaction-wise exports of the subject goods in the investigation period. No information had been furnished in respect of Annexures – 1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 & 10 of the Exporter Questionnaire. In the absence of information relating to sales of subject goods in the home market of the exporter and whether such domestic sales are in the ordinary course of trade, the Authority has to rely on the best available information as per Rule 6 (8) of the Anti Dumping Rules. No response has been received from The international Rayon & Synthetic Fibers committee by the name “COMITE INTERNATIONAL DE LA RAYONNE ET DES FIBERS SYNTHETIQUES” (CIFRS) after preliminary findings and

the disclosure statement. Thus the exporter from Italy has preferred non-cooperation with the Designated Authority in this case. Thus Rule 6(8) is attracted and the Designated Authority is fully justified in proceeding with the best information available. The Authority, therefore, holds that the exporter from Italy has not cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. The domestic industry has furnished information with regard to the normal value in Italy based on the selling price at which subject goods have been sold in the domestic market of the exporter's country. In view of non-cooperation/insufficient information produced by the exporter from Italy, the Authority has determined normal value in Italy on the basis of available information with regard to selling price in the home market of the exporter.

8. **Export Price:** The exporter M/s. Monte Fibre, Italy has filed information with regard to its exports to India. Analysis of this information shows that the information is reasonably sufficient, at least for the purpose of arriving at export price, even though the authority notes that the exporter has not disclosed any adjustments with regard to inland freight and port expenses. The exporter has sold ***** MT Acrylic Fibre of subject description in the investigation period at an average CIF price of *****. The exporter has shown adjustments on account of ocean freight, insurance and commission. The authority has determined ex-factory export price on the basis of the information provided by the exporter. Adjustments claimed by the exporter have been allowed. Adjustment on account of inland freight @ 1% in the Export Price have also been allowed.

9. **Dumping Margin:** The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure-I to the Rules. The normal value works out to US\$ ***** per Kg. The net export price worked out as above comes to US\$ *****per Kg. The authority confirms the preliminary findings regarding determination of dumping margin for other non- cooperating exporters based on the normal value assessed for the responding exporter and the lowest export price admitted by the exporter. The dumping margin for exports of the subject goods from Italy in respect of M/s Montefibre comes to 25.07% and for all other exporters/producers from Italy comes to 34.45%.

F. INJURY AND CAUSAL LINK

10. The Authority took into account all indices regarding injury while doing the final determination. This involved all relevant parameters viz., volume of dumped imports and their effect on price in the domestic market and its consequent effect on domestic producers in terms of parameters mentioned in Annexure II para 4 of the Rules such as natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments etc. While determining the non-injurious price for the like article for the

domestic industry, the Authority considered the optimum cost of production for the domestic industry taking into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials during the POI which went into the production of the product under consideration. Also, while arriving at the injury margin, the Designated Authority took into account optimum capacity utilization for arriving at a fair selling or non-injurious price. Authority also holds that analysis of various parameters affecting domestic industry would be more appropriate by comparing performance in the investigation period with reference to immediate preceding years, particularly when the imports have started in the investigation period itself. The Authority has carried out a detailed examination of the domestic industry to arrive at non injurious price. While arriving at non injurious price, the Authority has done appropriate analysis of the relevant factors such as usage of raw material and utilities, expenses incurred by the domestic industry during the period of investigation. Verification at premises of the domestic industry has been done to the extent required.

With regard to injury to the domestic industry, the Authority have examined detailed information provided by the domestic industry during the course of the investigation, which shows that the domestic industry has suffered material injury from the dumped imports of the product under consideration from Italy. While the Authority has examined all parameters mentioned in Annexure II of the Rules, however, some of the relevant parameters, which shows injury are discussed in detail as under:

- (i) The capacity utilization of the domestic industry has declined from 93.07% in 1999-2000 to 84.03% in the investigation period due to decline in production.
- (ii) Acrylic Fibre is being dumped in India by a number of countries, which includes Italy. The Authority is conducting investigation against Italy, separate investigation against UK, Germany, Brazil and Bulgaria and Sunset review investigation against USA, Korea RP and Thailand. The investigation period in these three investigations is same. Annexure II of the Rules clearly provide about cumulation of Injury in case, the injury to the domestic industry is being caused from more than one source at the same time. therefore, the injury is being examined cumulatively in accordance to the Rules.
- (iii) Till 1999-2000, sales volume of the domestic industry has been increasing. However, sales volume declined from 70591 MT in 1999-00 to 59119 MT in the investigation period. Further, the domestic industry has been selling its material at a price, which do not permit recovery of even cost of production.
- (iv) Since last few years, the domestic industry has not been able to make profits due to dumping of the product from one after another countries, which includes subject countries also. The losses of the domestic industry steeply increased in the investigation period from -100 (indexed) in 1997-98 to -373 (indexed) in the investigation period.

- (v) The imports shown from all countries are imports of below 1.5 denier as well as above 1.5 denier. The domestic industry had earlier complained about dumping from Italy, which resulted in imposition of anti dumping duty on imports from this Country. This resulted in decline in the import volumes from Italy. However, with the imposition of anti dumping duty on acrylic fibre above 1.5 denier, dumping of acrylic fibre below 1.5 denier has started which resulted in increase in market share again from 0.55% (99-00) to 1.03% (2000-01). The entire imports from Italy are now that of acrylic fibre below 1.5 deniers to circumvent the duty.
- (vi) The productivity per employee declined in comparison to previous year, in the investigation period due to steep decline in the production, in spite of reduction in the number of employees.
- (vii) The return on investment declined in the investigation period due to losses faced by the domestic industry in this period. The return on investment for the domestic industry continues to remain negative in spite of imposition of anti dumping duty on a number of sources.
- (viii) The landed value of imported material from various sources including Italy is significantly below the selling price of the domestic industry causing severe price undercutting in the Indian market. The domestic industry has been forced to match the lowest price of imports in the market

- (ix) The landed value of the imported material is below cost of the domestic industry causing severe price suppression and depression in the Indian market.
- (x) The cash flow was negative in 98-99 which became positive in 99-00 . However, the cash flow was again negative in the investigation period.
- (xi) The level of stocks with the domestic industry increased during POI in comparison to previous year in spite of reduction in production by the domestic industry.
- (xii) The domestic industry is being forced to resort to curtailment of employment due to continued financial losses and negative cash flow.
- (xiii) Due to the prevailing regulations, the domestic industry has to increase the wages causing further impact on profits.
- (xiv) Enhancement of capacity by de-bottlenecking with a view to reduce the incidence of fixed costs has not helped the domestic industry during the period of investigation.

All above parameters cumulatively show that the domestic industry has suffered material injury from the dumping of subject goods from Italy.

12. Causal Link : In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts:-

- (i) Exports of Acrylic Fibre below 1.5 denier after imposition of Anti dumping Duty on imports of acrylic Fibre above 1.5 denier indicates an attempt to continue dumping in the Indian market even after imposition of Anti Dumping Duties.
- (ii) Significant increase in imports of subject goods from Italy at dumped prices, coupled with dumped exports from Other Countries being investigated by the Authority, prevented the domestic industry from effecting legitimate price increases, resulting in significant increase in losses in the investigation period.
- (iii) Exports of acrylic Fibre from Other Countries are also at low prices. However, the Authority is separately investigating these exports to examine whether these were also at dumped prices and caused material injury to the domestic industry. There is no other parameter other than dumped imports from Subject Countries and Other Countries brought to the notice of the Authority which would have caused material injury to the domestic industry.
- (iv) The landed price of imports from Italy was below the selling price of the domestic industry. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.

- v) The imports from Italy forced the domestic industry to sell the product at prices below its cost of production and non-injurious price.
 - vi) The price undercutting which the domestic industry has faced from the dumped imports has directly resulted in significant financial losses to all domestic industry.
 - vii) Demand of the product has not shown a declining trend. Further, no arguments with regard to technological upgradation, etc. have been brought out by any opposing interested party.
13. The substantial increase in import of subject goods from Italy at low price which is not sufficient to recover full cost of production resulting in severe price undercutting clearly establishes the causal link between the injury already suffered as well as threat of further injury being faced by the domestic industry with the phenomena of dumping of subject goods from Italy in a very short period. The Authority, therefore, confirms its conclusion in preliminary findings that there is an obvious causal link between the dumping of subject goods from Italy and the injury being caused to the domestic industry during the period of investigation.

G. INTEREST OF INDIAN INDUSTRY AND OTHER ISSUES:

14. It has been argued by some of the importers and users that the interest of the users of Acrylic Fibre (below 1.5 denier) should be taken into account while imposing anti dumping duty. They have requested to reconsider the imposition of anti dumping duty on Acrylic Fibre (below 1.5 denier) from Italy since the threat of imports serves as a check on the prices of the local producers.
15. In this context the Authority reiterates paragraphs 30 and 31 of its preliminary findings wherein it is stated that the purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using Acrylic Fibre (below 1.5 denier) and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from Italy in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

16. Evidently, imposition of anti dumping duty would not adversely affect the consumers/users of Acrylic Fibre (below 1.5 denier) in India in the long run. It would rather lead to survival of domestic industry and keep wider choice to the consumers in India. The very purpose of the imposition of anti dumping duty is to create situation of fair competition in the Indian market in which both domestic producers and foreign producers can compete. Imposition of anti dumping duty would not lead to restriction on imports in any way.

H. FINAL FINDINGS

17. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that :

- (i) Acrylic Fibre (below 1.5 denier) has been exported to India from Italy below its normal value;
- (ii) The Indian industry has suffered injury;
- (iii) The injury has been caused by the dumped imports from Italy;

18. The Authority proposes to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed price of imports has been compared with the non injurious

selling price of the petitioner companies determined for the period of investigation. Landed value of imports for the purpose has been determined as the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

19. The Authority recommends imposition of definitive anti dumping duty on all imports of Italy Acrylic Fibre (below 1.5 denier) from Italy falling under Custom Heading 55. The anti dumping duty shall be as in Col 3. in the following table:

Sl.No	Exporter/Producer	Anti Dumping Duty US \$ per Kg
(1)	(2)	(3)
1.	Montefibre, Italy	0.32 US \$ per Kg.
2.	All Other Exporters/ producers from Italy	0.41 US \$ per Kg.

20. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 6th December, 2001.
21. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*.

L V SAPTHARISHI, Designated Authority